

मनीराम धागड़ी : अध्यक्ष महोदय, सवाल हिन्दुस्तानी में हो और मंत्री जी को हिन्दुस्तानी भाषा नहीं आती हो तो बेशक वह अंग्रेजी में जवाब दे सकते हैं लेकिन जब उन को अच्छी हिन्दुस्तानी आता है तो उसी भाषा में जवाब देना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : यह जरूरी नहीं है ।

श्री खुशींद आलम खां : मान्यवर, डिजाइन वर्क जो होता है यह बहुत ही स्पेशलाइज्ड वर्क है, इसलिए हमें इसे खास एजेंसीज को देना पड़ता है ताकि वह काम ऐसा हो कि इंटरनेशनल काम के बराबर समझा जाय और उसमें कोई ऐसी कमी न रह जाय कि जो बाहर के लोगों को पसंद न आए ।

श्री कमला भिन्न मधुकर : क्या इस के अन्दर कोई लक्ष्य रखा है कि किस सीमा के बाद आप को बाहर से डिजाइन मंगानी न पड़े और आप के अपने डिजाइन सिस्टम के स्टूडियो का इतना विस्तार किया जाय कि बाहर से डिजाइन मंगाने की जरूरत न पड़े और उस पर फारेन एक्सचेंज खर्च न हो ?

श्री खुशींद आलम खां : यह सुझाव जो माननीय सदस्य ने दिया उस में थोड़ी सी कठिनाई यह पड़ती है कि अगर हम अपनी ही डिजाइन रखें तो वह एक ही किस्म के लोग होंगे जो आदि हो जाएंगे एक ही तरह के काम को करने के लिए और यह काम ऐसा होता है कि इस में हमें भिन्न-भिन्न तरह के लोगों से तरह तरह के काम लेने पड़ते हैं और तरह-तरह की एजेंसीज के पास पहुंचाना पड़ता है, जो सब से अच्छी एजेंसीज है जो सब से अच्छा काम कर सकती है उन्हें लेना पड़ता है । (व्यवधान)

अल्मोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों में चाय बागान लगाने

* 479. श्री हरीश रावत : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के अल्मोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों के उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां चाय बोर्ड ने चाय बागान लगाने की सम्भावनाओं का पता लगाया है;

(ख) क्या चाय बोर्ड का विचार, इस कार्य में समन्वय करने हेतु, इस क्षेत्र में अपना कार्यालय खोलने का है; और

(ग) यदि हां, तो इस क्षेत्र में चाय बागानों का विकास करने के लिये मन्त्रालय द्वारा उठाये जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) Sorinag and Chowkooori are the places in A mora and Pithoragarh Districts of UP where Tea Board has explored the possibilities of tea plantations.

(b) Tea Board does not have any proposal to open an office in these areas at present.

(c) No steps are being taken by the Ministry to promote tea plantations in the above areas. •

श्री हरीश रावत : मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में कहा है कि अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जिले में दो स्थानों पर चाय बागान लगाने की संभावनाओं का पता लगा है और उस के बाद यह कहा है कि न तो हम टी बोर्ड का कार्यालय वहां खोलेंगे और न फिलहाल वहां पर टी गार्डन लगाने के लिए कोई प्रोग्राम है ।

तो क्या जो यह संभावना का पता लगाया है यह हमारे दिल को जलाने के लिए लगाया गया है या इस पर कोई कार्य-वाही होगी, इस के लिए पता लगाया गया है ? मैं जानना चाहता हूँ कि टी बोर्ड का कार्यालय कब तक वहाँ खोल देंगे और फ्यूचर में कब तक वहाँ कोई ऐसा प्रोग्राम इनीशिएट कर दिया जायगा जिसे से टी गार्डन लग सके ?

श्री शिवराज वो. पाटिल : मान्यवर जगहों का पता तो लगाया गया है और वहाँ पर जो चाय उत्पादन करनी है, स्टेट गवर्नमेंट की मदद से कारपोरेशन बनाकर वहाँ चाय का उत्पादन किया जा सकता है । मुझाव ऐसे दिए गए हैं । बड़े पैमाने पर कोशिश होने के बाद आफिस लगाने और दूसरे तरह के मुझावों पर विचार किया जा सकता है ।

श्री हरश रावत : टी गार्डन लगाने के लिए जो प्राइवेट परसन्स हैं उन को भी कोई इंसेंटिव उन के मंत्रालय की तरफ से दिया जायगा या उन के मंत्रालय की तरफ से न दिए जाने की बात हो तो स्टेट गवर्नमेंट से क्या वह कहेंगे कि वह वहाँ पर टी गार्डन लगाने के लिए और उस को प्रोमोट करने के लिए इंसेंटिव दें ?

श्री शिवराज वो. पाटिल : हमने कहा है कि कोआपरेटिव सोसाइटी वहाँ पर बनाकर टी गार्डन शुरू करें और कारपोरेशन बना कर यह टी गार्डन शुरू करें । यह मुझाव हमने दिया है इस के बाद अगर बड़े पैमाने पर कोई चीज बनती है तो उस के बारे में सोचा जा सकता है ।

SHRI XAVIER ARAKAL: This is a matter relating to tea, and to the incen-

tives given by Government as far as sick industries are concerned. Last time also I raised a point whether Government is aware that the industries as a whole, in the north-eastern region and in the southern States were declining; and many estates are put up on sale. What steps the Government have taken in this respect?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I have answered this question very elaborately when this matter came up for discussion specifically. I quoted the amount of financial assistance that is given for this industry. I wanted to know from them as to which are the gardens which are being sold in panic. I did not get an answer for that. It would not be necessary for me to answer it now. If any specific answer is required, I can give it to the hon. member in writing.

MR. SPEAKER: The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Vayudoot Service to Link various places in States

*480. SHRI D. L. BAITHA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to lay a statement showing:

(a) whether Government have taken a decision to link certain new places of various States by Vayudoot Service;

(b) if so, the names of places proposed to be linked and target dates, if any, to provide the service;

(c) whether service for some of the places already provided with Vayudoot Service proved unprofitable; and

(d) if so, the names of such places, with loss incurred in each case?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI A. P. SHARMA): (a) and (b). Yes, Sir. The foll-